वार्षिक रिपोर्ट

पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी
जिला चम्पावत उत्तराखण्ड
1अप्रैल 2009 से मार्च 2010 तक

पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी द्वारा इस वर्ष शिक्षा ,महिला जागरुकता, किशोरी जागरुकता, जल संरक्षण, बागवानी, मौनपालन, मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन आदि कार्यक्रम किये गये जो उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोड़ा के निदेशक डा0 ललित पाण्डे की प्रेरणा से एवं सरदोराबजी टाटा ट्रस्ट मुम्बई और राजेश्वर सुशीला दयाल चैरिटेबल ट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से और मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद व शीतजल मत्स्य निदेशालय भीमताल के तकनिकी सहयोग से व स्वजल परियोजना चम्पावत तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैक उत्तराखण्ड और लोक विज्ञान संस्थान देहरादून से और कुछ कार्यक्रम संस्था के स्वप्रेरणा से किये किये गये ।

1–बालशिक्षा कार्यक्रम–

सरदोरावजी टाटा ट्रस्ट मुम्बई के आर्थिक सहयोग से एवं उत्तराखण्ड सेवानिधि के मार्गदर्शन से बाल शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस वर्ष कुल 7 बालवाड़ियो का संचालन किया गया जिसमें 7 शिक्षिकायें एवं 2 मार्गदर्शिकाओं ने कार्य किया जिसमें कुल 42 लड़के 43 लड़कियॉ कुल 85 बच्चों ने भाग लिया जिसमे सामान्य 71 बच्चे अनु0 14 बच्चों सहित कुल 85 बच्चों ने शिक्षा ली। एक बालवाड़ी पंचायतघर और 6 बालवाड़ियॉ निजी मकान में चलाई गयी। दो शिक्षिकाओं ने दूसरे गॉव में जा कर बालवाड़ियॉ चलाई और 5 शिक्षिकाओं ने अपने ही गॉव में बालवाड़ी चलाई।

बालवाड़ी कार्यक्रम से गॉव की महिलाओं, किशोर, किशोरियों और पुरुषों से जुड़ाव हुआ और बच्चों को प्राकृतिक अनुभव हुआ। यह देखने में आया कि बालवाडी में पढ़े हुये बच्चे विद्यालय में अन्य बच्चों से आगे रहते हैं उनमें संकोच बहुत कम पाया जाता है। बालवाडी कार्यक्रम से किशोरियों ने भी अपनी शिक्षा बढ़ाई है और शादी के बाद अपने गॉव में अपना बर्चस्व कायम रखती हैं। ग्राम के विकास के लिए आगे रहती हैं। ग्राम पंचायतों के कार्यक्रमों में पूर्ण रुप से भाग लेती पाई गयी हैं। बालवाडी के कार्य से जुड़ी बालिकाओं का मनोबल बढ़ा है और बच्चों का सर्वागीण विकास के साथ ग्राम को एक नयी दिशा मिली है

बालवाडी केन्द्रों का विवरण –

क0	बालवाडी केन्द्र	शिक्षिका का नाम	बालवाडी में बच्चों की संख्या			स्थान	शिक्षिका का गॉव
			लडके	लड़कियॉ	कुल		
1	पिपलाटी	कु0 निर्मला	6	8	14	पंचायतघर	दूसरा गॉव
2	जोश्यूडा	कु0 कविता	4	6	10	निजी मकान	अपना गॉव
3	हरोडी	कु0 निर्मला	6	7	13	निजी मकान	अपना गॉव
4	कानीकोट	श्रीमती आशा	8	5	13	निजी मकान	अपना गॉव
5	सुनडुगर	श्रीमती गीता	6	6	12	निजी मकान	अपना गॉव
6	सुनडुगरा	कु0 मन्जू	4	9	13	निजी मकान	अपना गॉव
7	थुवामौनी	श्रीमती सावित्री	8	2	10	निजी मकान	दूसरा गॉव

बालमेला –

उत्तराखण्ड सेंवानिधि पर्यावरण शिक्षा संस्थान जाखनदेवी अल्मोंडा द्वारा सरदोराबजी टाटा ट्रष्ट मुम्बई के आर्थिक सहयोग से पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी द्वारा 7 मार्च 2010 को संस्था भवन तोली में नन्हे मुन्ने बच्चों का बालमेले का आयोजन किया गया।उपस्थिति निम्न प्रकार रही

दिनॉक	स्थान	उपस्थित बालवाडी के बच्चों की संख्या	उपस्थितग्रामीण महिलाओं की संख्या	उपस्थित पुरुषों की संख्या
7, 3 ,2010	संस्था कार्यालय तोली	60	30	20

बालमेले की सुरुवात मुख्य अतिथि पशुचिकित्सा अधिकारी डा0 कमल पंन्थ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गयां कार्यकम की अध्यक्षता श्री एच0एन0 गहतोडी कृषि प्रभारी चम्पावत ने की।पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा अपने संबोधन में नन्हें मुन्ने बच्चों के इस कार्यकम की सराहना की। तथा नारे ,कविता ,भावगीत को देखा तथा बच्चों द्वारा बनाई गयी बाल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।बच्चों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते हुए दिखाया गया। इसी प्रकार कृषि प्रभारी एच0 एन0 गहतोडी द्वारा बच्चों के इस कार्यकम की सराहना की गयी अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यकमो से बच्चो का सर्वागीण विकास होगा। उन्होंने उपस्थित लोगों को कृषिकार्यो की जानकारी भी दी तथा संस्था द्वारा चलाये गये कार्यकमों की सराहना की और कहा बच्चों के इस प्रकार के कार्यकम पहली बार देखने को मिले

बालमेले में पिपलाटी,जोस्यूडा सुनडुगरा ,बील तथा हरोडी के बच्चों ने भाग लिया। शिक्षिकाओं द्वारा बीच बीच में जागरुकता गीत गाये गये 7 मार्च को ही संस्था को 20 वर्ष पूरे होने पर संस्था अध्यक्ष श्री कृष्णा नन्द गहतोडी ने उपस्थित लोगों को संस्था के कार्यकमो की विस्तृत जानकारी दी और बालवाडी के कार्यो के प्रभावो कों बताया। संस्था सचिव पीताम्बर गहतोडी ने संचालन किया और उपस्थित लोगों का आभार ब्यक्त किया।

महिला जागरुकता कार्यकम–

उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोडा के सहयोग एवं राजेश्वरसुशीला दयाल चैरिटेबल ट्स्ट के आर्थिक सहयोग से महिलाओं में जागरुकता लायी गयी। महिलाओं को अपने अधिकारो व कर्तब्यो और रुढवाधिता छुवाछूत पंचायतों में प्रतिनिधित्व मनरेगा कार्यकम महिला कानून महिला हिंन्सा तथा आयसंवर्धन कार्यकमों की जानकारी के अलावा जल जंगल जमीन के बारे में जागरुकता लाई गयी है महिलाओं का उत्साह , आत्मबल बढा है। महिलायें पहले घर से बाहर निकलने में डरती थी आज महिलाऐं अपने अधिकार एवं कर्तब्यो के लिए जागरुक हो कर शासन प्रशासन में अपनी पकड मजबूत करने में सफल हुई है

महिला संगठन की गोष्ठिों का विवरण–

दिनॉक	ग्राम का नाम	प्रतिभगियों की संख्या			गोष्ठी में चर्चा के विन्दु
		महिलाये	पुरुष	बच्चे	
3 ,5, 2009	त्यारसौ	15	2	10	महिला संगठनों को मजबूत बनाने पर चर्चा
22 ,5 2009	थुवामौनी	25	2	5	अपनी कार्यवाही लिखित रखने पर चर्चा
8 ,7 ,2009		20	1	10	क्षेत्रीय उत्तराखण्ड महिलापरिषद को
11 ,9 ,2009		12	2	7	मजबूत बनाने पर चर्चा
9 ,10 2009		20	1	5	बालवाडी कार्यक्रम पर चर्चा
7 ,12 ,2009		27	–	1	
17 ,1 2010		20	2	15	मनरेगा पर चर्चा
22 ,3 2010		20	2	10	महिला कानून पर चर्चा
11 ,6 2009	कानीकोट	20	2	5	
2,10 2009		25	1	10	पंचायतों पर प्रतिनिधित्व पर चर्चा
9 ,12 ,2009		21	2	8	
13 ,3 2010		25	1	5	ग्राम विकास कार्यो पर चर्चा
25 ,6 2009	छौडागॉव	27	5	8	
25 8, 2009		27	2	5	किशोरी संगठन बनाने पर चर्चा
7,11 ,2009		20	2	10	
30 ,1 ,2010		22	1	17	आय संवर्धन पर चर्चा
5 ,2 2010		20	1	5	बालवाडी कार्यक्रम पर चर्चा
6 ,3 ,2010		20		4	
29,10 2009	सुनडुगरा	30 ,	10	14	मनरेगा पर चर्चा
12 ,1 ,2010		25	5	10	
9 ,2 ,2010		19		8	महिला कानून पर चर्चा
20 ,3 2010		30	13	19	महिला संगठनों को मजबूत बनाने पर चर्चा
25 ,3 2010		30	5	15	अपनी कार्यवाही लिखित रखने पर चर्चा
17 ,3 2010	कूॅण	18	4	9	क्षेत्रीय उत्तराखण्ड महिला परिषद को
25 3 2010		20	5	10	मजबूत बनाने पर चर्चा
					बालवाडी कार्यक्रम पर चर्चा

महिला गोष्ठी रिपोर्ट

महिला जागरुकता कार्यक्रम महिलाओं में जागरुकता लाने के लिए पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी द्वारा चलाया जा रहा है इस क्षेत्र की 5000 महिलाये इस कार्यक्रम से जुड कर ग्राम विकास के लिए कार्य कर रही है। इन कार्यों को गति देने के लिए संस्था द्वारा ग्रामों में गोंष्ठी के अलावा दो क्षेत्रीय महिला परिषद की गोष्ठियॉ भी निम्न तिथियों को आयोजित की गायी।

दिनॉक 25 ,12 ,2009 एवं 28 ,12 ,2009 को पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी के कार्यालय तोली में क्षेत्रीय महिला गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें दिनॉक 25 ,12 ,2009 को

कानीकोट सुनडुगरा , हरोडी ,पिपलाटी ,विसारी एवं रौलमेल की महिलाओं ने भाग लिया और दिनॉक 28 ,12 ,2009 को ग्राम तोली ,जौलाडी ,कूँण छौडागॉव ,थुवामौनी, सकदेना और बुँगाकमलेख की 60 महिलाओं तथा बालवाडी शिक्षिकाओं ने रुचि पूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम में सहयोग किया।

गोष्ठी का सुभारम्भ, स्वागत परिचय से किया गया गोष्ठी उत्तराखण्ड महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती अनुराधा पान्डे तथा सुश्री कुमारी रेनू जुयाल के संरक्षण में हुई। गोष्ठी में महिलाओं में काफी उत्सुकता थी गोष्ठी में महिला ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्या एवं वार्डमेम्बर भी उपस्थित थी। गोष्ठी में निम्न मुददों पर चर्चा की गयी।

1. रोजगार गारन्टी योजना पर चर्चा
2. महिलाओं को उनकी जमीन पर हक दिलाने पर चर्चा
3. बिधवा / बृधा पेंन्सन पर चर्चा
4. लडकियों की शादी बाहर न करने एवं दहेज प्रथा पर चर्चा
5. धार्मिक कार्यो में बिधवा महिलाओं व परित्यक्ता महिलाओं को सम्लित न करने पर चर्चा
6. संगठनों को मजबूत करने पर चर्चा

गोष्ठी में महिलाओं को जागरुक करने का प्रयास किया गयां प्रत्येक विषय पर महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती अनुराधा पान्डे द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी कुमारी रेनू जुयाल द्वारा भी महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरुक रहने पर जोर दिया गया संस्था अध्यक्ष कृष्णा नन्द गहतोडी द्वारा पदेन महिलाओं को अपने अधिकार एवं कर्तब्यों को जानने एवं उसका उपयोग करने के लिए जोर दिया। संस्था सचिव पीताम्बर गहतोडी ने महिलाओं के कई मुद्दों पर जानकारी दी।

गोष्ठी में मुख्य रुप से रोजगार गारन्टी योजना की विस्तृत जानकारी न होने से महिलाओं को मनरेगा एवं अन्य कार्यक्रमों का पूर्ण लाभ नही मिल पा रहा है इस हेतु महिलाओं को संगठन के माध्यम से ग्रामों मे गोष्ठी कर मनरेगा में रोजगार पाने हेतु सामूहिक रुप से बीडीओ को प्रार्थना पत्र देने का निर्णय लिया गया। संस्था द्वारा भी इस कार्यक्रम में सहयोग देने का आस्वाशन दिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि मार्च में होने वाले क्षेत्रीय महिला संम्मेलन में उपजिलाधिकारी पाटी को महिलाओं द्वारा ज्ञापन दिया जायेगा।

इस प्रकार प्रत्येक मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गयी और महिलाओं को विषय सम्बधित जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के बीच–बीच में जागरुकता गीत गाये गये सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ जलपान एवं सूक्ष्म भोजन कराया गया संस्था अध्यक्ष कृष्णानन्द गहतोडी द्वारा सभी का स्वागत किया गया और संस्था सचिव पीताम्बर गहतोडी द्वारा आभार ब्यक्त किया गया।

दिनॉक 26 मार्च 2010 को क्षेत्रीय महिला परिषद का सम्मेलन किया गया जो तीन चरणो में संपादित किया गया–

प्रथम चरण –रैली का आयोजन –

उत्तराखण्ड महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती अनुराधा पाण्डे के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी के संयोजन में महिलाओं ने अपने संगठानों के बैनर के साथ प्रतिभाग किया । रैली रामलीला मैदान पाटी से तहसील मुख्यालय पाटी पहुँची और उपजिलाधिकारी को निम्न विन्दुओं के समाधान हेतु एक ज्ञापन दिया।

1. पाटी प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र पर विषेशज्ञ महिला चिकित्सक की नियुक्ति हो।

त्र में ईधन समस्या समाधान हेतु एलपीजी गैस गोदाम नियमित सिलैन्डर वितरण करें।
महिला संगठनो के माध्यम से मनरेगा योजना के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम में ग्राम वन बनाने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाय।

4. फटकशिला वन सिदमन्दिर वन ,और कॅूण वन को विषेश सुरक्षा देकर देववन घोषित किया जाय।
5. परम्परागत जल श्रोतो ,नौले धारों जलधारण श्रोतों के 60 फिट श्रेत्र में सघन वृक्षारोपण किया जाये।
6. महिलओं के बोझ कम करने के लिए सघन जन जागरण।
7. मैरोली से पाटी आने वाले श्रेत्रवासियों के लिए गाड़ी का किराया कम करने विषयक।

ज्ञापन देने के उपरान्त रैली वापिस विकास खण्ड सभागार के हाल में पहुॅची और गोष्ठी की सुरुवात की गयी। मुख्य अतिथि अनुराधा पाण्डे विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी एवं क्षेत्रीय महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मीना लडवाल जि0पं0 सदस्य निर्मला गहतोडी ज्योति उपाध्याय कृषि प्रभारी एच एन गहतोडी एवं संस्था अध्यक्ष कृष्णा नन्द गहतोडी द्वारा दीप जलाकर गोष्ठी की सुरुवात की गयी।

द्वितीय चरण – विचार गोष्ठी–

दीप प्रजवलित करने के उपरान्त किशोरी संगठन द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात संस्था अध्यक्ष कृष्णा नन्द गहतोडी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया और महिला परिषद की ओर से कु0 हेमाभट्ट द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। संस्था सचिव पीताम्बर गहतोडी ने संस्था काग्रकमों की जानकारी दी तथा महिला परिषद के उद्देश्यों के बारे में बताया

श्रीमती जानकी गहतोडी महिला संगठन तोली ने कहा कि महिलाओं को ग्राम विकास में मिल कर कार्य करने चाहिये तथा पॅानी के संरक्षण हेतु जंगल बनाने चाहिए

श्रीमती दुर्गा विष्ट भिकियासैण ने समस्त महिलाओ को अपने क्षेंत्र में हो रहे कार्यकमों की जानकारी दी गयी और कहा कि महिलाये अपने हक को पूर्ण रुप से मॉग सकती है और लागू कर सकती है वह चाहे किसी भी क्षेत्र में हो क्षेत्र व ग्रामों के विकास में सहयोग कर सकती है

श्रीमती पुष्पा पुनेठा दन्यॉ ने अपने क्षेत्र में किये गये कई आन्दोलनों जैसे शराव विरोधी आन्दोलन के बारे में बताया और कहा कि सभी महिलायें मुकावला करें हम महिलायें सोचते है कि हमारा पति या भाई भी तो नही पी रहा है हम क्यों जाये इसका साभी को विरोध करना चाहिए । पंचायतों पर महिलाओं को पूर्ण रुप से भागीदारी करने पर जोर दिया जिससे महिलाओं का आत्मवल बढा

श्रीमती हेमानेगी भिकियासैण ने अपने सम्बोधन में अपने क्षेत्र के महिला संगठनो का पंचायतों पर अधिकारों के वारे बताया गया तथा वहॉ के महिला संगठनों के कार्यक्रम की जानकारी दी गयी । हम सोचते है कि हम अकेले है लेकिन पाटी क्षेत्र में आपके बीच आ कर ऐसा लग रहा है कि पूरे उत्तराखण्ड के संगठन एक हैं सब को मिल कर के भ्रष्टाचार के बारे में एकत्र हो कर आवाज उठानी चाहिए

श्रीमती भगवती तिवारी द्वाराहाट ने अपने संम्बोधन में द्वाराहाट क्षेत्र में कई वर्षो से किये गये कार्यो पंचायतों पर महिलाओं की भागीदारी तथा प्रशासन स्तर पर संगठनों के माध्यम से जनहित मे लिये गये निर्णयों को बताया उन्होंने महिलाओं को अपने ग्रामों में एक हो कर कार्य करने को कहा तथा एक पढी लिखी लडकी कम्प्यूटर चलाना जानती है तो हम महिलायें

दराती चलाना जानते है पुरुषों से बदले की भावना से काम न कर के मेल जोल से काम करना चाहिए अपने बच्चों से दैनिक कार्य के बारे में पूछते रहना चाहिए

श्री भगवान डोभाल राईज लिगुणता अल्मोडा ने अपने सुझाव में कहा कि हमारे समाज में महिलाओं को देवी का रुप माना जाता है और कन्याओं की पूजा की जाती है फिर भी हमारे समाज में कन्याओं की भ्रूण हत्यायें हो रही है । समाज में दहेज का रिवाज आदि कुप्रथायें हो रही हे इन सबकी जिम्मेदारी पुरुष और महिलाओं की है पूरे समाज को मिल कर के बदलाव की आवश्यकता है ।

सुश्री रमा जोशी उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोडा द्वारा कहा गया कि मैने इस क्षेत्र की महिलाओं के साथ गॉव में जा कर काफी सम्पर्क एवं गोष्ठियॉ की इस क्षेत्र में शिक्षा का अभाव एवं पुरुष प्रधानता के कारण महिलायें आगे नही आ पा रही थी । संस्था के अथक प्रयास से धीरे धीरे बदलाव आ रहाहै आज इस सम्मेलन में 600 से अधिक महिलायें एकत्रित है

सुश्री राधा [illegible] अल्मोडा का कहना था कि [illegible] में महिलाओं की परेशानियाँ एक जैसी होती [illegible]

[illegible]

इस प्रकार महिला सम्मेलन में उत्तराखण्ड के कई जिलों के संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। और अपने अनुभव सुनाकर महिलाओं और संस्था का उत्साह बढ़ाया। उत्तराखण्ड सेवानिधि ने इस कार्य क्रम को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान बीच बीच में बालवाड़ी की कार्यकर्तियों तथा किशोरी संगठन की बालिकाओं द्वारा जागरुकता गीत भी गाये गये तथा गणाई गंगोलीहाट से आयेहुए श्री आनन्द पाण्डे ने जागरुकता गीत गा कर लोगों को भावविभोर कर दिया बालवाड़ी की मार्गदर्शिका कु0 हेमा भट्ट एवं बबीता लडवाल तथा महिला कार्यकर्ता श्रीमती पुष्पा खकवाल ने पूर्ण सहयोग दिया

संस्था के निदेशक श्री पीताम्बर गहतोड़ी ने मुख्य अतिथि एवं बाहर से आये प्रतिनिधियों व जन प्रतिनिधियों एवं उपस्थित महिला संगठनों के सदस्यों व समस्त उपस्थित जनता का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सभी का धन्यवाद दिया विशेष रुप से उत्तराखण्ड सेवानिधि का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन किया

क्षेत्रीय उत्तराखण्ड महिला परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मीना लडवाल ने सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

किशोरी संगठन–इस वर्ष उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोड़ा एवं राजेश्वरी दानदयालट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से चार ग्रामों थवाभाना, सिनडुंगा, सेलामेल और जाख्पुड़ा में किशोरी संगठन की शुरुवात की गयी। इसमें चारों ग्रामों में 106 किशोरियों को संगठन बनाकर उनके साथ कार्यक्रम किये जाते हैं जिसमें किशोरियों को अपने अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी एवं ग्रामों में हो रहे कुप्रथाओं जैसे दहेज प्रथा ,बाल विवाह ,भ्रूण हत्या मोबाइल का गलत प्रयोग ,बालिकाओं की शिक्षा पर रोक और अनइच्छा से विवाह कर देना जैसे मामलों पर चर्चा कर मार्गदर्शन दिया जाता है। इससे किशोरियों का आत्मबल बढ़ा है और अपने अधिकारों के प्रति जागरुक हुयी है

बागवानी कार्यक्रम – इस वर्ष उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोड़ा के आर्थिक सहयोग से पाटी क्षेत्र से 9 बेरोजगार युवकों को सुपी,मल्ला रामगढ़ नैनीताल भेज कर बागवानी का प्रशिक्षण दिया गया है जिससे उन्होंने अपने गाँव में आडू ,खुमानी सेव प्लम आदि के पेड़ लगाकर बागवानी का कार्य कर रहे हैं थोड़े ही समय में इस के अच्छे परिणाम निकलने की सम्भावना है । सफलता मिलने पर इस कार्यक्रम को विस्तृत रुप से आगे बढ़ाया जायगा।

सब्जी उत्पादन – उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोड़ा के सहयोग से बेरोजगार युवकों को सब्जी उत्पादन हेतु प्रेरित किया गया और बीज भी उपलब्ध कराया गया। इस कार्य में भी युवक पूर्ण रुप से सफल हो रहे है। अपनी आय बढ़ा रहे है। इस क्षेत्र में आलू ,टमाटर बैगन ,शिमला मिर्च की अच्छी पैदावार होती है जिससे युवकों का पलायन कम होगा।

मौन पालन – उत्तराखण्ड सेवानिधि अल्मोड़ा के आर्थिक सहयोग से पाटी क्षेत्र में 9 बेरोजगार युवकों को देहरादून में मौन पालन प्रशिक्षण में भेजा गया और मौन सहित एक मौन बॉक्स तथा दो खाली बॉक्स उपलब्ध कराये गये हैं जिससे किसानों द्वारा अपने मकान के मौन घरों से मौन पेटियों में डाल कर मौन पालन कर रहे हैं। यह कार्यक्रम लोगों का रुचिकर है बागवानी कार्यक्रम में भी सहायक है इस कार्यक्रम के सफल होने की पूर्ण आशा है । पर्वतीय क्षेत्रों में इन्डिका मौन ही पाली जा सकती है। इस को उपलब्ध कराने में संस्था को काफी परेशानियां भी आयी। इस क्षेत्र में यह एक नया कार्यक्रम है और काफी महत्वपूर्ण भी है।

मत्स्य पालन कार्यक्रम– संस्था द्वारा मत्स्य पालन कार्य कई वर्षों से किया जा रहा है और इसमें पूर्ण सफलता भी मिली है । इस वर्ष भी तालाबों की संख्या बढ़ाई गयी है । बेरोजगार युवक इस कार्यक्रम में रुचि ले कर अपनी आय वृद्धि कर रहे है । इस कार्यक्रम की सफलता से संस्था को कई बार सरकार द्वारा पुरुष्कृत भी किया गया है । यह कार्यक्रम मत्स्य पालन के साथ साथ

कृषि बागवानी एवं सब्जी उत्पादन से भी जुड़ा हुआ है । पर्वतीय क्षेत्र में ठण्डेपानी में पैदा होने वाली मछलियाँ पाली जाती है । तालाबों में ग्रास कार्प , सिल्वर कार्प ,कामन कार्प एवं राहू प्रजातियाँ एक साथ पाली जाती हैं।

पुरुष्कार कार्यक्रम– इस वर्ष 2009 में माननीया राज्यपाल उत्तराखण्ड श्रीमती मार्गेट आल्वा द्वारा संस्था का गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम पर दिनाँक 11मार्च 2019 को काठगोदाम सर्किट हाउस में पुरुष्कृत भी किया गया है

सैक्टर कार्यक्रम – सैक्टर कार्यक्रम के तहत इस वर्ष संस्था द्वारा स्वजल परियोजना चम्पावत के सहयोग से बैच बी 2 में ग्राम पंचायत [illegible] डुंगरा में नियोजन चरण का कार्य एवं ग्राम पंचायत मारामाँत क्रियान्वयन चरण का कार्य किया जिसमें पेय जल उपभोक्ता समिति का गठन स्वयं सहायता समूहों का गठन ,स्वयं सहायता सहेलियों का गठन तथा पेयजल उपभोक्ता समिति का प्रशिक्षण और सर्वे आदि का कार्य किया गया इसके साथ ही हैल्दी होम सर्वे हैसा कार्यक्रम आयोजित किये गये। स्वच्छता कार्यक्रम के तहत गरीबी रेखा से उपर जीवन यापन करने वाले परिवारों ने 300 शौचालय बनवाये और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों द्वारा 310 शौचालय बनाए गये इसके साथ ही 18 ग्राम पंचायत में गोष्ठी ,सम्पर्क ,नुक्कड नाटक सभायें की गयी। विद्यालयों में आइ0ई0सी0 क्रिया कलाप किय गये

स्वयं सहायता समूँहों का गठन– कृषि ग्रामीण और विकास बैंक (नाबार्ड) के आर्थिक सहयोग से 25 ग्रामों में 50 स्वयं सहायता समूँहों का गठन किया गया और 18 समूँहों को आन्तरिक ऋण दिलाया गया। सभी समूँहों को बैंक से जोड कर मासिक बचत कर आत्म निर्भर बनाने का प्रयास किया गया। महिलाओं के लिए यह कार्यक्रम बहुत लाभप्रद है इससे जुडी महिलाओं ने कृषि के साथ साथ डेरी उद्योग ,सब्जी उत्पादन ,सिलाई कढाई आदि कर अपनी आय बढानी शुरु कर दी है। इन समूहों को प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है।

पिछडा क्षेत्र अनुदान कार्यक्रम (बी0 आर0 जी0 एफ0)– भारत सरकार द्वारा पिछडे क्षेत्र के विकास के लिये उत्तराखण्ड में दो जिलों का चयन किया गया था। जिसमें चम्पावत जिले में 40 ग्राम पंचायतों का पर्यावरण संरक्षण समिति के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया और उनसे अपने ग्राम पंचायत के विकास के लिये प्रस्ताव लिये गये।

अन्य कार्यक्रम संस्था द्वारा स्वप्रेरणा से गरीबी उन्मूलन के तहत अनुसूचित जाति ,जन जाति एवं सामान्य गरीब परिवारों को सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों से सहायता दिलायी गयी है तथा विधवा पैन्सन वृद्धा पैन्सन और कन्या धन दिलाने महिला हिंसा रोकने पल्स पोलियो पिलाने हेतु समाज को जागरुकता लाने तथा शासन प्रशासन को विकास कार्यों में मदद करने का काम भी संस्था द्वारा किया जाता रहा है

पर्यावरण संरक्षण समिति पाटी
जिला चम्पावत (उत्तराखण्ड)

दिनाँक